



**I Semester B.C.A./B.H.M. & Other Course Degree Examination, May/June - 2022**  
**LANGUAGE SANSKRIT**

# Sankshepa Ramayana (Balakanda) of Valmiki 1st Sarga Grammar & Comprehension

(CBCS Scheme NEP Freshers 2021-22 and Onwards)

Paper - I

Time : 2½ Hours

**Maximum Marks : 60**

### **Instructions to Candidates:- 1)**

**Answer in Sanskrit/Kannada/English.**

2) Question No.I, V, and VI should be answered in Sanskrit only.

## I. समीचीनम् उत्तरं चिनुत ।

· (10×1=10)

ಸರಿಯಾದ ಉತ್ತರವನ್ನು ಆರಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ.

Select and write the correct answer.

### 1) वाल्मीकिः कं परिपूर्वकः?



- 7) त्रिलोकज्ञः कः?      आ) नारदः      इ) वसिष्ठः      इ) काशयपः      इ) गौतमः
- 8) जनकस्य सुता का?      आ) लक्ष्मी      आ) दुर्गा      इ) जानकी      इ) ज्योत्स्ना
- 9) आदिकविः कः?      आ) व्यासः      आ) भास      इ) वाल्मीकि      इ) कालिदासः
- 10) शूर्पणखा केन विरूपिता?      आ) रामेन      आ) लक्ष्मणेन      इ) भरतेन      इ) शत्रुघ्नेन

## II. द्वयोः प्रबन्धरूपेण उत्तरं लिखत। (2×8=16)

या पुढादर्हा एरಡु छुश्चैगच्छन् औरितु छुब०धातृकवाद उत्तरवन् बरेयीरि.

Write an essay on any two of the following :

- 1) रामायणस्य कर्तुः विषये प्रबन्धं लिखत।  
रामायणाद कर्तुः विषये प्रबन्धं लिखत।  
Write about the Author of Ramayana.
- 2) अरण्यकाण्डस्य कथां निरूपयत।  
अरण्यकाण्ड कथां निरूपयत।  
Narrate the story of Aranya Kandam.
- 3) वाल्मीकिः रामायणे प्रस्तुतः रामस्य वनगमन वृत्तान्तः।  
वाल्मीकि रामायणादलै तिळीसिरवंते रामनु वनवासकै तेरलुप्तुद्यु।  
Rama's departure to the forest as depicted in Ramayana of Valmiki.

## III. त्रयाणां श्लोकानां अनुवादं कृत्वा विवृणुत। (3×3=9)

या पुढादर्हा मूरु श्लोकगच्छन् अनुवादसि विवरसि.

Translate and explain any Three shlokas.

- 1) कोऽन्वस्मिन् साम्प्रतं लोके गुणवान् कश्य वीर्यवान्।  
धर्मज्ञश्य क्रष्णश्य सत्यवाक्यो दृढव्रतः॥
- 2) रक्षिता स्वस्य धर्मस्य स्वजस्य च रक्षिता।  
वेदवेदाङ्गतत्त्वज्ञो धनुर्वेदेच निष्ठितः॥

- 3) स जगाम वनं वीरः प्रतिज्ञामनुपालयन्।  
पितुर्वचननिर्देशात् कैक्यया: प्रियकारणात्॥
- 4) नियुज्यमानो राज्याय नैच्छद् राज्यं महाबलः।  
स जगाम वनं वीरो रामपादप्रसादकः॥
- 5) रक्षसां निहतान्यासन् सहस्राणि चतुर्दश।  
ततो ज्ञातिवधं श्रृत्वा रावणः क्रोधमूर्च्छितः॥

## IV. वाक्यद्वयं सन्दर्भ विवृणुत।

(2×3=6)

योप्युदादर्थे एठें वाक्यगल्लू नैंदभै नैंडे विवरिसि.

Annotate any Two of the following.

- 1) रक्षिता जीवलोकस्य धर्मस्य परिरक्षिता।
- 2) सर्वशास्त्रार्थं तत्वज्ञः स्मृतिमान्-प्रतिभानवान्।
- 3) विराधंराक्षसं हत्वा शरभङ्गं ददर्श ह।
- 4) गते तु भरते श्रीमान् सत्यसन्धो जितेन्द्रियः।

## V. संस्कृत भाषया उत्तरं लिखत।

नैंस्तु भाषेयल्लि उत्तुरिसि.

Answer in Sanskrit

- अ) लिङ्ग विभक्तिवचनानि लिखत। (पश्चानमेव)

(5×1=5)

- |           |                 |
|-----------|-----------------|
| 1) रामं।  | 2) दशरथेन।      |
| 3) सीतां। | 4) वचनात्।      |
| 5) केन।   | 6) तेषां।       |
| 7) त्वं।  | 8) हे नरेन्द्र। |

- आ) लकार-प्रूष-वचनानि लिखत। (चतुर्णामेव)

(4×1=4)

- |                 |               |
|-----------------|---------------|
| 1) भवतु।        | 2) वक्ष्यामि। |
| 3) पप्रच्छ।     | 4) अब्रवीत्।  |
| 5) जगाम।        | 6) पिनाम      |
| 7) क्रीडिष्यामः | 8) वद         |



## VI. परिच्छेदमिमं पठित्वा प्रश्नानुत्तरत्

(5×2=10)

एकस्मिन् दिवसे गौतमः एकेन साधुना सह मृत्युं, व्याधिं, दुःखंचोदिश्य प्रदीर्घा चर्चाम् अकरोत्। कथं जनाः संसारं दुःखेभ्यो मुक्ता भवेयुरिति सः साधुम् अपृच्छत्। साधुः शान्तचित्तेन प्रव्यवदत्। अपि दुःखपूर्णः खल्वेषः संसारः। संसारत्यागेन विना सत्यसुखं मानवो नाधिगच्छन्ति। रात्रौ नगर्या शान्तता प्रसूता। नगरस्य जनाः निद्रिताः आसन्। गौतमः सत्यं सुखन्वेषणाय राजमान्दिरात्रिगतः अन्ते उषः वेलायां पिप्पल वृक्षस्य अथः ध्यानमार्गम् आचरत्। तस्य तत्रैव चित्रकाशनस्य लाभोऽभवत्। सः बुद्धोऽबवत्।

प्रश्नाः।

- 1) मार्गेगौतमः किं किं अपश्यत?
  - 2) कथं मानवाः सत्यसुखं अधिगच्छन्ति?
  - 3) रात्रौ नगर्या किं प्रसूता?
  - 4) कुत्र गौतमः ध्यानमार्गमाचरत्?
  - 5) गौतमः किम् अभवत्?
-